माध्यम से स्वतः चलने का प्रशिक्षण, दैनिक क्रियाकलाप प्रशिक्षण, बोलता पुस्तकालय की व्यवस्था, व्यक्तित्व विकास परामर्श एवं मार्गदर्शन तथा आवश्यकतानुसार अधिगम व चलन उपकरण आदि प्रदान करता है।

श्रवण एवं वाणी विभाग

इस विभाग का मुख्य उद्देश्य श्रवण जाँच व वाक् प्रशिक्षण प्रदान करना है। इसके माध्यम से उचित श्रवण यंत्र प्रदान करने के साथ ही साथ विभिन्न कारणों से उत्पन वाक् व भाषा विकृतियों को दूर किया जाता है।

प्रशिक्षण एवं कार्यक्रम

लघुकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम, जागरूकता अभियान एवं सतत् पुनर्वास शिक्षा (CRE) कार्यक्रम का आयोजन नियमित रूप से संचालित किया जाता है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से अभिभावकों, दिव्यांगजनों एवं व्यावसायियों को विभिन्न पुनर्वासीय कार्यक्रमों के प्रति जागरूक किया जाता है। साथ ही साथ पुनर्वास कार्यक्रमों में सहयोग हेतु प्रशिक्षित भी किया जाता है।

आगामी कार्ययोजना

- विभिन्न मानव संसाधन विकास पाठ्यक्रम चलना।

- राष्ट्रीय, राज्यस्तरीय संगोष्ठी, कार्यशाला एवं कार्यक्रम आयोजित करना।
- विभिन्न क्षेत्रो में व्यवसाविक प्रशिक्षण एवं कौशल विकास कार्यक्रम चलाना।

दिव्यांगजन अधिकार 2016 के अनुसार दिव्यांगताये

- दृष्टि बाधिता
- कुष्ठ रोगी
- लोकोमोटर विकलांगता
- मानसिक मंदता
- स्वलिनता
- मांसपेशीय दुर्विकास
- विशिष्ट अधिगम अक्षमता
- बहुविध उत्तक दृढ़न
- हेमो–फीलिया
- एसिड़ अटैक पीड़ित
- कम दृष्टि
- श्रवण बाधिता
- बौनापन
- मानसिक रोगी
- प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात
- जीर्ण तंत्रिका संबंधित समस्या
- वाक् एवं भाषा विकलांगता
- थैलेसिमीया
- सिकल सेल रोग
- परकिंसन रोग
- बहु विकलांगता एवं मुक–दृष्टि बाधिता

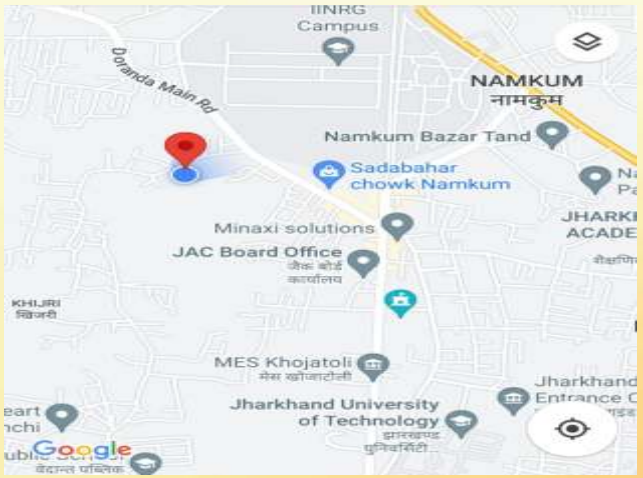

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र (सी.आर.सी.), राँची

(एसवीनिरतार, कटक, उड़िसा के प्रशासनिक नियत्रणाधीन)

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार

ब्लॉक कार्यालय से संलग्न
खिजरी, नयाटोली,
नामकुम, राँची– 834010
ईमेलः crcranchi2020@gmail.com
दूरभाष- 8987632707
0651- 2260080

कार्य अवधि
सोमवार से शुक्रवार
(सुबह 9:00 से शाम 5:30 बजे तक)

प्रस्तावना

दिव्यांगजनों के स्वांगीण विकास हेतु क्षेत्रीय आवश्यकताओं तथा राष्ट्रीय उद्देश्यों की पूर्ति के लिए दिव्यांगजन कौशल विकास, पुनर्वास व सशक्तिकरण समेकित क्षेत्रीय केन्द्र, राँची की स्थापना की गयी है। यह केन्द्र दिव्यांगता के क्षेत्र में थेरैपी, चिकित्सा, मानव संसाधन विकास एवं सामुदायिक पुनर्वास हेतु समर्पित है।

इस केन्द्र का उद्घाटन 17 जून 2020 को दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिकता मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य सरकार के संयुक्त तत्वावधान में रांची, झारखण्ड में किया गया। यह केन्द्र वर्तमान में स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, ओडिशा के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत कार्य कर रहा है।

उद्देश्य

- पुनर्वास चिकित्सा एवं थेरैपी प्रदान करना।
- आकलन व सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित करना।
- सामुदायिक जागरूकता।
- चिकित्सीय, शैक्षणिक तथा व्यवसायिक सेवा प्रदान करना।
- मानव संसाधन विकास।
- शैक्षणिक तथा व्यवसायिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान।
- समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम संचालित करना।

भौतिक औषधि एवं पुनर्वास विभाग :

इस विभाग के अंतर्गत पुनर्वास व चिकित्सीय विशेषज्ञों का एक समूह सम्मिलित रूप से दूसरे विभागों के साथ मिलकर पोलियो, बौद्धिक अक्षम, लकवा, हाथों एवं पैरों की जन्मजात विकृतियों, अंगविहीन, गठिया व अन्य समस्त प्रकार की दिव्यांगता से प्रभावित व्यक्तियों के लिए चिकित्सा एवं पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराता है।

सामुदायिक पुनर्वास

सतर्कता एवं जागरुकता कार्यक्रम, सतत शिक्षा कार्यक्रम, अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम, उपकरण एवं यन्त्र वितरण, दैनिक क्रियाओं का विकास, माता-पिता का मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन इत्यादि सेवाएं सामुदायिक पुनर्वास कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदान की जाती है।

भौतिक चिकित्सा विभाग

यह विभाग बिना दवा के विभिन्न मशीनों तथा व्यायामों द्वारा हर उम्र के लोगों को स्वास्थ्य लाभ कराता है। यह स्नायु संबंधी बीमारी, जोड़ों वा हाथ-पैरो का दर्द तथा अकड़न, मांसपेशीयों की कमजोरी, जन्मजात विकृतियां, हड्डी टूटने के बाद की अक्षमता, रीढ़ की हड्डी संबंधी चोट, खिलाड़ियों में किसी प्रकार की अक्षमता का निराकरण तथा चिकित्सा करता है।

व्यावसायिक चिकित्सा विभाग

व्यवसायिक चिकित्सा दिन-प्रतिदिन की क्रिया, स्वयं की देखभाल, मनोरंजन हेतु कौशलों के विकास तथा संभावित क्रियाओं के विकास हेतु दिया जाता है। इसके साथ-साथ कार्यों को वातावरण अनुरूप, मरीजों के वर्तमान क्षमता के अनुकूल बनाया जाता है जिससे मरीज को ज्यादा स्वतंत्र एवं आत्मनिर्भर बनाकर उनके जीवन को अधिक से अधिक गुणवत्तापूर्ण बनाया जा सके। ये सभी उम्र, व्यवसाय एवं दैनिक क्रियाकलापों में आत्मनिर्भर बनाने हेतु उपयोगी साबित होता है।

प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स विभाग

यह विभाग दिव्यांगजनों का आकलन एवं मूल्यांकन कर उनके आवश्यकता के अनुरूप प्ररिष्कृत कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरणों का निर्माण करता है और दिव्यांगजनो को निर्मित उपकरण प्रदान कर उन्हें सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाता है।

नैदानिक मनोविज्ञान विभाग

यह विभाग सभी तरह के दिव्यांग व मानसिक स्वास्थ्य से प्रभावित व्यक्तियों के लिए मनोवैज्ञानिक आकलन, पुनर्वास, प्रबंधन योजना, व्यवहार परिमार्जन, परामर्श एवं मार्गदर्शन इत्यादि सेवाएं प्रदान की करता है।

विशेष शिक्षा विभाग

विभाग विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का शैक्षणिक आकलन एवं उनकी पहचान करके व्यक्तिगत शैक्षणिक कार्यक्रण बनाता है। अधिगम एवं संबंधित समस्या का निवारण करता है। दृष्टिबाधितों व्यक्तियों के ब्रेल प्रशिक्षण, छड़ी के